

संख्या १५/१९७/XXXIV/सू०प्रौ०/२००८

प्रेषक

आर०के० मिश्र
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन

सेवा में

निदेशक
आई०टी०डी०ए०
९३, फेस-II
वसन्त विहार
देहरादून

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

देहरादून: दिनांक ०३ मार्च २००९

विषय:- खान योजना की PoP के आगणनों के सापेक्ष धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया एन०आई०सी० के पत्र संख्या NIC/USU/२००९-०२/८४४ दिनांक ०२ फरवरी २००९ का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। उक्त पत्र के माध्यम से जनपद रुद्रप्रयाग की विभिन्न PoP से सम्बन्धित शासन में प्राप्त आगणनों का परीक्षण टी०ए०सी० वित्त विभाग से कराया गया। टी०ए०सी० वित्त विभाग द्वारा परीक्षणोपरान्त धनराशि रु० २९.८१७ लाख के सापेक्ष धनराशि रु० २७.६३ लाख की स्वीकृति प्रदान की है। स्वीकृत धनराशि का विवरण निम्नानुसार है।

S.N.	Locations	Demand of Amount (In Rs lacs)	Amount recommend ed by TAC (In Rs lacs)
1.	THQ Rudraprayag	Rs 9.897	9.17
2.	BHQ Jakholi	Rs 9.84	9.11
3.	THQ Ukhimath	Rs 10.08	9.35
4.	Total	Rs 29.817	27.63

उक्त स्वीकृति निम्न प्रतिबन्धों के साथ प्रदान की जाती है।

- कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं

है अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अनियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।

- II. कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- III. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- IV. एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाय।
- V. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो०नि०वि० द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- VI. निर्माण सामग्री कय करने से पूर्व मानकों एवं स्टोर पर्वेज नियमों का कड़ाई से पालन किया जाय।
- VII. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता से कार्य स्थल का भली-भाँति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाय।
- VIII. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- IX. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

2- आई०टी०डी०ए० द्वारा योजना की विभिन्न PoP के लिये जनपद रुद्रप्रयाग को ड्राफ्ट संख्या 156099 दिनांक 18.07.2007 द्वारा धनराशि रु० 2.00 लाख एवं चेक संख्या 326019 दिनांक 05.02.2009 द्वारा रु० 13.06 लाख कुल धनराशि रु० 15.06 लाख उपलब्ध कराई जा चुकी है। टी०ए०सी० की संस्तुति के उपरान्त जनपद रुद्रप्रयाग के PoP के आगणनों की कुल लागत धनराशि रु० 27.63+ 13.06 = रु० 40.69 लाख बनती है। इस प्रकार जनपद रुद्रप्रयाग हेतु धनराशि रु० 40.69— 15.06 = रु० 25.63 लाख और अवमुक्त की जानी है।

3- इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कृपया जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग को स्वान योजना की PoP हेतु धनराशि रु0 25.63 लाख अवमुक्त करने का कष्ट करें।

4- टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त उपलब्ध करायी गयी आख्या संलग्न कर प्रेषित की जा रही है।

संलग्नक:- यथोक्त

भवदीय

(आर0के0 मिश्र)

अपर सचिव 07/0

संख्या 94 / 197 / XXXIV / सू0प्रौ0 / 2008 तदिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. जिलाधिकारी, रुद्रप्रयाग।
2. राज्य सूचना अधिकारी, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
3. गार्ड फाइल।

आज्ञा से

(हरिओम)

संयुक्त सचिव

Harin

07/0